वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 124 | शुक्रवार 1 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

85 साल बाद अगस्त में सबसे कम बारिश

31 में से 10 दिन राजस्थान में एक बूंद नहीं बरसा; कैसा रहेगा सितंबर में मानसून?

जयपुर

राजस्थान में 85 साल बाद अगस्त में सबसे कम बारिश हुई है। इस बार पूरे महीने में औसत से 80 फीसदी कम पानी बरसा। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 117 साल में यह तीसरा सीजन ऐसा है, जब अगस्त में सबसे कम बरसात हुई है। राजस्थान में अगस्त में औसत बारिश 155.7MM होती है, लेकिन अबकी बार 30.9MM ही हुई। अलनीनो के प्रभाव से अगस्त में स्थिति बिगड़ गई। ऐसा ही हाल सितंबर में रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम केंद्र जयपुर के सीनियर साइंटिस्ट हिमांशु शर्मा ने बताया- राजस्थान में 1937 में अगस्त में सबसे कम 27.4MM बारिश हुई थी। अब 85 साल बाद अगस्त 2023 में 30.9MM बारिश हुई है। वहीं, राजस्थान में अगस्त में सबसे कम बारिश का रिकॉर्ड 15.2MM का है, जो 1905 में हुई थी। राजस्थान में साल 2022 में राजस्थान में 50MM से ज्यादा बरसात अगस्त में हुई थी।

31 में से 10 दिन एक बूंद भी नहीं बरसा

राजस्थान में अगस्त में बारिश की स्थिति देखें तो 31 में से 10 दिन तो ऐसे रहे हैं, जो पूरे प्रदेश में बिल्कुल सूखे रहे। यानी पूरे राज्य में किसी भी स्थान पर बारिश नहीं हुई। 5 दिन ऐसे रहे, जिसमें एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश या बूंदाबांदी हुई। इस कारण इन दिनों राज्य में औसत बारिश 0.1MM ही रही। 31 में से 16 दिन ऐसे रहे, जब राज्य में बारिश 0.5MM या उससे ज्यादा हुई है।

गंगानगर में सबसे कम बारिश

राजस्थान में इस सीजन अगस्त में सबसे कम बारिश गंगानगर जिले में हुई। यहां 31 दिन में औसत बरसात 0.3MM हुई है। इसी तरह बाड़मेर में भी पूरे महीने में केवल 0.4MM बरसात ही हुई। सबसे ज्यादा बरसात करौली में 213.7MM बरसात हुई, लेकिन यह भी सामान्य से 9 फीसदी कम है। सीकर, जालोर, चूरू, बीकानेर, बाड़मेर, गंगानगर, जैसलमेर, जोधपुर में पिछले एक महीने से बिल्कुल बारिश नहीं हुई। इस कारण यहां बाजरा की फसल खराब होनी शुरू हो गई है। एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट से जारी रिपोर्ट देखें तो राजस्थान में इस साल खरीफ की बुवाई 161.51 लाख हेक्टेयर में हुई है, जबकि इस बार लक्ष्य 164.68 लाख हेक्टेयर का रखा गया था। पश्चिमी राजस्थान के 9 जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, पाली, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, नागौर और चूरू में 93 लाख हेक्टेयर में फसल खराब होने की सबसे ज्यादा आशंका है। फसलों के खराबे की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने खराबे के नुकसान का आकलन करवाने की तैयारी शुरू करवा दी है। विभाग ने मौसम विभाग से भी अगस्त में हुई बारिश और अगले कुछ दिनों में होने वाली बारिश का डेटा मांगा है, ताकि किसानों को सचेत किया जा सके और सिंचाई के लिए व्यवस्था कर सके।

योजना भवन के बेसमेंट में सोना-कैश मिलने का मामला

सरकार ने हाई कोर्ट में कहा- एसीबी जांच में सक्षम, सीबीआई की जरूरत नहीं

जयपुर. कासं। सचिवालय के पास योजना भवन के बेसमेंट में रखी अलमारी से 2.31 करोड़ नगद और एक किलोग्राम सोना मिलने के मामले में सरकार ने हाई कोर्ट में कहा है कि पूरे मामले में एसीबी जांच करने में सक्षम है। मामले को सीबीआई को भेजने की जरूरत नहीं है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ में राज्य सरकार ने जवाब पेश करते हुए यह बात कहीं। दरअसल हाई कोर्ट में रामप्रसाद ने याचिका लगाकर पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने की मांग रखी थी। कोर्ट ने सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को तय की हैं। महाधिवक्ता एमएस सिंघवी ने जवाब में कहा है कि 19 मई को योजना के बेसमेंट से मिली नगदी व सोने के मामले में एसीबी चालान पेश कर चुकी हैं। उसके बाद यह जनहित याचिका पेश हुई है। वहीं, ईडी भी अपने स्तर पर प्रकरण की जांच कर रही है और एसीबी की जांच भी प्रभावी दिशा में हो रही है। सीबीआई को जांच भेजने का कोई औचित्य नहीं है। याचिका में राम प्रसाद का कहना है कि एसीबी ने एक अधिकारी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। जबकि जब्त इतनी बड़ी राशि से साबित है कि इसमें अन्य अपराधी भी शामिल हैं लेकिन एसीबी ने पूरी जांच सिर्फ एक अधिकारी पर केंद्रीत कर चालान पेश किया है। आज तक पता नहीं चला की यह राशि यहां क्यों रखी गई थी।

पालकी पर हुई फूलों की वर्षा, किया नयनाभिराम श्रृंगार

बलराम पूर्णिमा महोत्सव की शुरूआत, जय घोषो से गूंजा श्रीकृष्ण बलराम मंदिर

जयपुर. कासं। जगतपुरा के हरे कृष्ण मार्ग स्थित श्री कृष्ण बलराम मंदिर में गुरुवार को बलराम पूर्णिमा महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। भगवान श्री कृष्ण के बड़े भाई भगवान श्रीबलराम का प्राकट्य उत्सव धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर हजारों भक्तों की उपस्थिति के बीच बलराम के जन्म पर पूरा कृष्ण बलराम मंदिर कृष्ण भक्ति से सराबोर हो गया और भगवान बलराम और भगवान कृष्ण के जय घोषो से मंदिर गूंज उठा। श्रद्धालु संकीर्तन और नृत्य करते भाव विभोर होकर जमकर झूमे। सुबह से ही भगवान कृष्ण, भगवान बलराम के नयनाभिराम श्रृंगार और आकर्षक परिधानों से परिपूर्ण दर्शनों के लिए कृष्ण भक्तों का तांता लगा रहा। श्रावण पूर्णिमा की शाम को हुए इस भव्य आयोजन में महाआरती प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही।

डीजेएसजी फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा स्वाध्याय धार्मिक तंबोला व स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी का भव्य शुभारंभ

31अगस्त से 14सितंबर तक प्रतिदिन 6 अंक निकाले जाएंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा स्वाध्याय धार्मिक तंबोला व स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी का भव्य शुभारंभ फेडरेशन अध्यक्ष राकेश - कल्पना विन्दयका ने इंदौर से ऑन लाइन अंक निकाल कर किया इस से पूर्व मंगलाचरण से कार्यक्रम का आगाज किया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा वीर ग्रुप के संयोजन में पवित्र भाद्रपद मास में स्वाध्याय धार्मिक तंबोला व स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी का आनलाइन ६ँ३२४स्त्र ग्रुप के माध्यम से दिनाँक 31 अगस्त से 14 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि रीजन अधीनस्थ सभी ग्रुप के सदस्य इसमें भाग ले रहे हैं। प्रतिदिन 6 अंक निकाले जाएंगे, जिन पर स्वाध्याय कराया जाएगा तथा शाम को तत्वार्थ सूत्र पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। सभी विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज जैन ने बताया कि स्वाध्याय प्रश्नोत्तरी की पठन सामग्री पहले दिन व्हाट्सएप ग्रुप में भेजी जाएगी सभी सदस्य इसका अध्ययन करके अगले दिन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भाग लेंगे। कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन ने बताया कि रीजन का उद्देश्य इस पवित्र भाद्रपद मास में सभी सदस्यों के मध्य स्वाध्याय का अध्ययन कराने का है व जैन धर्म का प्रचार प्रसार करना है।

जिनशरणम तीर्थधाम में जायेगा यात्री दल 1 सितंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिनांक 01 सितंबर 2023 को पुलक मंच परिवार, गायत्री नगर, महारानी फार्म, जयपुर का एक दल भारत गौरव आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज की प्रेरणा से बने जिन शरणम् तीर्थ धाम के लिए रवाना हो रहा है। यह दल जिनशरणम तीर्थधाम में दिनांक 03 सितंबर 2023 को भगवान पार्श्वनाथ के कलशाभिषेक, शन्तिधारा पूज्य गुरुदेव के पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, तत्पश्चात दिन में गुरुदेव पुलक सागर जी के सानिध्य में शान्तिविधान करेगा, एवम सांध्यकाल में आरती करेगा। दल में मुख्य भागीदारी निम्न सदस्यों की है। अनिल - बीना टोंग्या, अनिल बयाना, अनिल - रेखा झाँझरी, महावीर - मंन्जु जैन सेवावाले, डी के जैन - राज कुमारी टोडा, एवम सुनीता जैन सोनी। यह दल मांगीतुंगी तीर्थ क्षेत्र व आस पास के जैन तीर्थो की यात्रा कर वापिस जयपुर 06 सितंबर को लौटेगा। उल्लेखनीय है कि जिन शरणम् तीर्थ धाम में फरवरी 2024 में पंचकल्याणक भी होने जा रहे हैं।

पैदल चलने से हमारे शरीर को क्या-क्या फायदे होते हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय
राजस्थान विधानसभा, जयपुर।
9828011871

पैदल चलना एक ऐसा व्यायाम है जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। कुछ मुख्य स्वास्थ्य लाभ इस प्रकार हैं: वजन कम करने में मदद करता है: पैदल चलना वजन कम करने में मदद कर सकता है. यह धीमी गति से होने वाला कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है, जो आपके शरीर के वजन को कम करने में मदद करता है.

हृदय रोग को कम करता है: पैदल चलना हृदय रोग के जोखिम को कम करने में भी मदद कर सकता है. यह आपके रक्तचाप को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है.

मधुमेह को नियंत्रित करता है: पैदल चलना मधुमेह के जोखिम को कम करने में भी मदद कर सकता है. यह आपके शरीर को इंसुलिन का उपयोग करने में मदद करता है और ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करता है.

कैंसर के कारणों को कम करता है: पैदल चलना कैंसर के जोखिम को कम करने में भी मदद कर सकता है. यह शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाता है और कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकता है.

मूड को बेहतर बनाता है: पैदल चलना मूड को बेहतर बनाने में भी मदद कर सकता है. यह आपके शरीर में एंडोरफिन नामक हार्मोन को छोड़ता है, जो खुशी और तनाव को कम करने में मदद करता है.

नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है: पैदल चलना नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में भी मदद कर सकता है। यह आपके शरीर को थका देता है और आपको रात में अच्छी नींद लेने में मदद करता है। इनके अलावा, पैदल चलना कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है. यह आपके शरीर की मांसपेशियों को मजबूत करता है, आपके जोड़ों को लचीला रखता है, और आपकी हड्डियों को मजबूत करता है. यह आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाता है, आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है, और आपको तरोताजा महसूस कराता है। अगर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो पैदल चलना एक बेहतरीन विकल्प है।

जिला प्रमुख सरोज बंसल एवं पर्यटन विभाग प्रमुख मधुसूदन ने प्राप्त किया गुरु माँ का आशीष : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भव्य जीवों को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि जिस कर्म के परिणाम स्वरूप हमारा और दूसरे का हित होता है वही पुण्य है और जिसमें हमारा व दूसरों का अहित होता है वह पाप है । मां का बच्चों को डाँटना , गुरु का शिष्य पर शासन करना दोनों कर्म बड़े कठोर प्रतीत होते हैं, पर उसके परिणाम में बच्चे और शिष्य का हित होता है । इसमें माता व गुरु का हित निश्चित है । शाश्वत सत्य है कि जिस कर्म से दूसरे का हित होगा उससे हमारा हित भी संभव है। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल एवं पर्यटन विभाग प्रमुख मधुसूदन यादव को ने गुरू माँ का वात्सल्य पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त किया । टोंक जिले का प्रमुख तीर्थक्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। गुरु माँ के सान्निध्य में श्री शांतिनाथ महानुष्ठान कराने का सौभाग्य नवीन लालगोला वालों ने प्राप्त किया।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, चन्द्र प्रभ दुर्गापुरा जयपुर में सायकल सोलह कारण भावना पर प्रवचन शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र दुर्गापुरा जयपुर में दिनांक 31.08.2023 को रात्रि 7.45 बजे से षोड़स कारण महापर्व में सोलह कारण भावनाओं की एक एक भावना पर तत्व चर्चा श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के पंडित राहुल शास्त्री के द्वारा प्रारंभ की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या श्रावक उपस्थित थे।

शिक्षा से शिष्टाचार और नम्रता आती है: आचार्य विनिश्चय सागर

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

भिण्ड। शिक्षा समाज का उत्थान करती है । चाहे वह लौकिक शिक्षा हो या धार्मिक । बिना शिक्षा के, बिना ज्ञान के समाज बिना आंखों वाले व्यक्ति के समान अर्थात अंधे के समान हैं । शिक्षा से शिष्टाचार और शिष्टाचार से नम्रता आती है। ''विद्वान सर्वत्र पूज्यते'' अर्थात ज्ञानी व्यक्ति सभी जगह आदर वी सम्मान प्राप्त करते हैं। ''ज्ञान समान न आन जगत में सुख को कारण'' ज्ञान के समान संसार में कोई सुख का कारण नहीं हैं । लौकिक शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा भी जरूरी है । लौकिक शिक्षा जहां हमें धनोपार्जन के साथ जीवन यापन सिखाती है, वहीं धार्मिक शिक्षा हमें संयम के साथ रहकर जीवन जीने की कला सिखाती है।

हर्षोल्लास से मनाया गया राखी का त्यौहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

रक्षा सूत्र बांधने के इस पावन त्यौहार राखी के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा बंधन पर भाई की रक्षा के लिए प्रार्थना करती हैं तो वहीं भाई भी उपहार और आशीर्वाद देते हैं। यह धागा न सिर्फ प्रेम को प्रकट करने का दिन है बल्कि बहनों द्वारा बांधा गया वह धागा इतना पवित्र होता है जो भाइयों की सुरक्षा, समृद्धि और दीर्घायु की कामना भी करता है। यह त्यौहार रिश्तों को मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन रक्षा सूत्र में बांधे रखने की सांस्कृतिक परंपरा है। इस उत्सव में भाग लेने से महिलाओं और बच्चियों को अपनी विरासत, मूल्यों और रीति-रिवाजों से जुड़ने का मौका मिलता है। इसमें संबंध तो सशक्त होता ही है , साथ ही इस बदलती दुनिया में भारतीय त्योहारों की पहचान की भावना बनाए रखने में मदद मिलती है।

वेद ज्ञान

जीवन में भावना ही कर्म है

हम न चाहते हुए अनेक प्रकार की भावनाओं से परिपूर्ण होते हैं और उनसे प्रेरित होकर कर्म करते हैं। हमारी भावनाएं ही विविध रूपों में हमारे समक्ष आती हैं। जो भावना जितनी शुद्ध, सरल और पवित्र होती हैं, वह भावना उतनी दूरी तक जा सकती है। यदि कोई कर्म किया जाता है, परंतु उसमें भाव नहीं है और केवल विचार है तो वह किसी को भी प्रभावित नहीं कर सकता। भगवान तक पहुंचना तो बहुत दूर की बात है। जीवन में भावना ही कर्म है। जहां पर भावना नहीं है तो कर्म मात्र क्रिया रह जाता है, जिसका प्रभाव तात्कालिक होता है। क्रिया भावना युक्त होकर कर्म लंबे वक्त तक साथ रहता है और अपना प्रभाव भी दिखाता है। यदि कोई मनुष्य किसी शेर का शिकार अपना शौक पूरा करने के लिए करता है तो उसे पाप लगता है, जो एक हत्या है क्योंकि उस मनुष्य के कर्म के पीछे निजी स्वार्थ है, परंतु यदि वही मनुष्य शेर के आतंक से भयभीत मनुष्यों की रक्षा करने के लिए अर्थात लोकहित की भावना से उस शेर की हत्या करता है तो उसे पाप नहीं लगता। जैसी हमारी भावना होती है, वैसी ही हमारी गति होती है। यदि हमारी भावना अशुद्ध है तो हमारी गति विनाशकारी होगी और यदि हमारी भावना शुद्ध है तो हमारी गति भी कल्याणकारी होगी। निष्कपट भावनाएं भगवान को अतिप्रिय होती हैं। हम अनुभव कर सकते हैं कि भावना अभिव्यक्ति पाती है। किसी व्यक्ति के हाव-भाव से उसकी भावनाओं का पता चलता है। भावनाओं से युक्त व्यक्ति संवेदनशील होता है और भावनाओं से रहित व्यक्ति पत्थर की तरह होता है। जिस तरह से जैसी प्रकृति होती है, उस व्यक्ति की भावनाएं भी उसके चारों ओर उसके अनुरूप फैलती हैं। कोई कार्य यदि दो व्यक्ति अलग-अलग भाव से कर रहे हैं तो उसके परिणाम भी अलग-अलग होते हैं। इसलिए भगवान भी भक्ति से भरे भाव को सबसे महत्वपूर्ण मानते हैं, क्योंकि भावनाएं ही हैं जो भगवान तक सरलता से पहुंच सकती है। न तो व्यक्ति का शरीर ही भगवान तक पहुंच सकता है और न ही विचारधारा भगवान को प्रभावित कर सकती है।

संपादकीय

अब सबकी निगाहें आदित्य-एल 1 पर टिकी

चंद्रयान की कामयाबी के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने सूर्य की बाहरी परत का अध्ययन करने की तैयारी कर ली है। भारत पहली बार आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान सूर्य की कक्षा में भेजने जा रहा है। यह यान पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से तैयार किया गया है। यह इस बात का एक और संकेत है कि भारत न केवल अंतरिक्ष अध्ययन की दिशा में अग्रणी देशों की कतार में शामिल हो गया है, बल्कि वह अंतरिक्ष यान बनाने में भी आत्मनिर्भर है। इसके लिए अब उसे दूसरे देशों का मुंह नहीं जोहना पड़ता। पहले ही उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक भरोसेमंद और किफायती तंत्र विकसित कर चुका है। दुनिया के बहुत सारे देश भारतीय प्रक्षेपण केंद्रों से अपने उपग्रह स्थापित कराने का प्रयास करते देखे जाते हैं। चंद्रयान तृतीय का प्रक्षेपण

करके उसने यह भी साबित कर दिया कि वह न केवल बहुत कम लागत पर अंतरिक्ष यान तैयार कर सकता, बल्कि उसे कामयाब भी बना सकता है। ऐसे में स्वाभाविक ही आदित्य-एल1 पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। सूर्य की सतह का अध्ययन सौरमंडल के दूसरे ग्रहों की अपेक्षा इसलिए कठिन माना जाता है कि वह जलती हुई गैसों का गोला है और उसके तापमान को सहन कर सकने लायक कोई धातु विकसित करना चुनौती है। मगर अत्याधुनिक दूरबीनों और तरंगमापी यंत्रों की मदद से उसकी हलचलों का अध्ययन करना कोई मुश्किल काम नहीं है। आदित्य-एल1 को ऐसे सात यंत्रों से लैस किया गया है। यह उस बिंदु के आसपास रह कर सूर्य की हलचलों पर नजर रखेगा, जहां सूर्य और पृथ्वी के बीच गुरुत्वाकर्षण और प्रतिकर्षण बल पैदा होता है। दरअसल, सूर्य का अध्ययन इसलिए भी जरूरी लगता रहा है कि सौरमंडल का यही ऐसा ग्रह है, जिसका पृथ्वी के जीवन-जगत पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर सूर्य पर कोई हलचल होती है, तो उसका स्पष्ट प्रभाव पृथ्वी पर दिखने लगता है। इसलिए अब जिस तरह पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन का संकट गहरा होता जा रहा है, उसमें सूर्य पर हो रही गतिविधियों का अध्ययन बहुत जरूरी हो गया है। पराबैंगनी किरणों, ओजोन परत पर सूर्य की किरणों के प्रभाव आदि की गहन जानकारी जुटाना अनिवार्य हो गया है। हालांकि पृथ्वी पर सूर्य के प्रभाव को लेकर अध्ययन हजारों वर्षों से होता आ रहा है, मगर अब उस पर हो रही हलचलों और अंतरिक्ष में आ रहे असंतुलन की वजह से पृथ्वी पर जीवन के लिए बड़े संकट की आशंका जताई जाने लगी है। भारत से पहले अमेरिका, जर्मनी और यूरोपीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र बाईस बार अपने यान सूर्य मिशन पर भेज चुके हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजंसी नासा अकेले चौदह बार अपने यान भेज चुका है। उन अध्ययनों से सूर्य को लेकर काफी कुछ बातें पता चल चुकी हैं, मगर अंतरिक्ष अध्ययन में जब तक अपने जुटाए आंकड़े न हों तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचना आसान नहीं होता।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सेना का दखल

पाकिस्तान में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अपनी रिहाई की उम्मीद जगी थी, मगर उसके बाद एक अन्य मामले में जिस तत्परता से उन्हें हिरासत में लिया गया, उससे यही लगता है कि फिलहाल उनके लिए राहत दूर है। दरअसल, तोशाखाना मामले में गड़बड़ी के आरोप में वे अटक जेल में बंद थे, लेकिन मंगलवार को अदालत ने एक संक्षिप्त फैसले के तहत इस मामले में इमरान खान की सजा पर रोक लगा दी और उन्हें जमानत देने का भी आदेश दिया। गौरतलब है कि इस्लामाबाद की एक जिला अदालत ने तोशाखाना मामले में इमरान खान को दोषी करार दिया था और तीन साल की जेल के साथ एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। पर इसी मामले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट का फैसला आने के बावजूद यह आशंका पहले से बनी हुई थी कि इमरान की रिहाई हो पाएगी या नहीं। इसी के मद्देनजर पाकिस्तान तहरीके-इंसाफ पार्टी की ओर से इमरान को फिर से गिरफ्तार न करने के अनुरोध वाली याचिका भी अदालत में दाखिल की गई थी। मगर इमरान को उसके तत्काल बाद वहीं की एक विशेष अदालत के एक आदेश पर उन्हें फिर हिरासत में ले लिया गया। जाहिर है, सत्ता से बाहर होने के बाद से इमरान खान को जो मुश्किलें पेश आ रही थीं, उन पर कानूनी तौर पर शिकंजा कसा जा रहा था, उसमें फिलहाल उन्हें कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। इस समूचे प्रसंग में जिस स्तर पर खींचतान चल रही है, उससे साफ है कि इमरान खान के सामने अभी चुनौतियां जटिल हैं। दरअसल, राजनीति के मैदान में होने वाले टकराव के बरक्स कानूनी कसौटी पर होने वाली लड़ाइयों में गेंद आमतौर पर सरकारों के हाथ में होती है। किस आरोप पर सख्ती से शिकंजा कसना है और किस पर कार्रवाई का रुख नरम रखना है, यह सरकार तय करती है। लेकिन मामला जब अदालत में पहुंचता है तब वहां होने वाले फैसले पर अमल के साथ एक स्पष्टीकरण या सही होने का भाव जुड़ा होता है। पाकिस्तान में इमरान खान के साथ चल रही खींचतान शायद इसी बिसात पर चलती दिख रही है। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि पाकिस्तान में सरकार के रुख में सेना कितनी हावी है और किस निर्देश में सेना का हस्तक्षेप नहीं है। अनेक मौकों पर यह सामने आता रहा है कि पाकिस्तान में सरकार के कामकाज में सेना का दखल जरूरत से ज्यादा है। बल्कि यह भी माना जाता है कि वहां अगर सरकार सेना के प्रभाव को दरकिनार कर अपनी मर्जी से कोई काम करने लगती है, राष्ट्रीय महत्त्व के फैसले करना शुरू करती है तो उसका लंबे वक्त तक टिकना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में पाकिस्तान के ही पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने यह स्वीकार किया था कि उनकी सरकार शक्तिशाली सेना के समर्थन के बिना नहीं चल सकती। उनके बयान ने एक तरह से इस बात की पुष्टि की थी कि पाकिस्तान के राजनीति परिदृश्य में सेना हावी रही है। यों सत्ता में आने के बाद शुरूआती दिनों में इमरान खान खुद भी सैन्य प्रतिष्ठान की पसंद रहे, लेकिन सरकार से बाहर होने के एक साल के भीतर ही वे सेना की निगाह में दुश्मन बन गए। यही वजह है कि पाकिस्तान में इमरान खान को जेल में बंद किए जाने या रिहाई को लेकर जो जद्दोजहद चल रही है, उसे सियासी बिसात पर सेना और सरकार के समीकरण के आलोक में भी देखा जा रहा है।

रक्तदान शिविर मे दिखा उत्साह, लहरिया उत्सव में छाई मस्ती

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश अग्रवाल महासभा राजस्थान का लहरिया उत्सव व रक्तदान शिविर सीकर रोड स्थित रामेश्वरम्‍ मैरिज गार्डन में आयोजति हुआ। इस मौके पर करीब 1हजार के आसपास समाजबंधुओं ने भाग लिया। प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल व महामंत्री मक्खनलाल काण्डा ने बताया कि शुभारंभ रीको निदेशक सीताराम अग्रवाल, कांग्रेस नेता गिरिराज गर्ग, प्रमुख समाजसेवी राकेश गुप्ता कलैण्डर हाउस, पार्षद महेश अग्रवाल, मुख्य संस्थापक प्रकाश चन्द गुप्ता, राजेन्द्र मोदी, चैयरमेन राजेन्द्र ईटोंवाला, चैयरपर्सन शशि गुप्ता, अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, महामंत्री मक्खनलाल काण्डा, कोषाध्यक्ष नथमल बंसल, प्रदेश महिला अध्यक्ष मृदुला पंसारी, लखन गोयल आदि ने रिबन काटकर व महाराजा अग्रसेन व कुलदेवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर अग्रबंधुओं ने जरूरतमंदों के लिए रक्तदान किया। इस दौरान रक्तदाताओं को स्मृति स्वरूप गिफ्ट व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। दोपहर में महिलाओं में लहरिया उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें लहरिया, सावन, राधा कृष्ण का नृत्य प्रस्तुत किए। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी गई। इस मौके पर समाज के निर्धन छात्र-छात्राओं की शिक्षा के लिए शहीद

मेजर योगेश अग्रवाल जन कल्याण कोष के शुभारम्भ की घोषणा की गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज को एकता का परिचय देते हुए राजनीति में अपनी पहचान बनाने की बात कही। आगामी चुनावों में जो भी पार्टी अग्रबंधुओं को टिकट देगा महासभा उसे समर्थन देगी। कार्यक्रम में प्रहलाद गुप्ता, महेश गोयल, अनुराधा अग्रवाल, रामअवतार अग्रवाल,दीपक गुप्ता, महेन्द्र पोद्दार, विनोद गोयल, राजेश अग्रवाल, मुकेश बंसल, दिनेश पोद्दार, दिलीप अग्रवाल,सीए, संजय अग्रवाल, विमल अग्रवाल भूत, उत्तम जिंदल, टिल्लू रूण्डल, संजय गुप्ता, विश्वास गोयल,कृष्ण कुमार गुप्ता, राजेश नटराज, प्रेम गोयल, किशन अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, प्रकाश मित्तल, दामोदर अग्रवाल, श्याम बिहारी सिंघल, हितेश अग्रवाल, हिमांशु मंगल, मनोज गोयल आदि की भूमिका रही।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

किसी का कर्जा लिया है तो उसको नहीं देने का भाव मत करना

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ क्रियाएं ऐसी होती है जो देखने मे एक समान लगती है लेकिन अंतर बहुत होता है ऋण और सहयोग में यदि दो मिले, तो ऋण ले लेना, सहयोग नही लेना। ऋण भी अच्छा नही है, ऋण लेकर जिंदगी जीना कोई जिंदगी नही है और ऋण लेने वाला व्यक्ति कभी भी सुख की नींद सो ही नही सकता। दुनिया कितनी चलती है, हवाएं भी कभी कभी रुक जाती है लेकिन ऋण लेने के बाद जो ब्याज चलता है वो कभी रुकता नही है, दिन-रात चलता है। कई बार तो मूल से ज्यादा ब्याज हो जाता है। जब तुम्हारे बुरे दिन चल रहे हो, जब किस्मत साथ न दे रही हो तो

पूरी ताकत लगाओ की ऋण न लेना पड़े, मजदूरी करना पड़े तो कर लो, भींख मांग कर के काम चलाना पड़े तो चला लो, क्योंकि भींख की रोटी में करुणा होती है और ऋण लेने वाला व्यक्ति निर्दय होता है। प्याज से ज्यादा खतरनाक दोष ब्याज में है। क्योंकि ब्याज का पैसा देने वाला व्यक्ति कभी करुणावान नही हो सकता। डॉक्टर दूसरा भगवान है चाहे तो इतना पुण्य कम सकता है कि तीर्थंकर प्रकृति का बन्ध कर लेता है और इसके लिए साधु को तपस्या करना पड़ता है।एलोपैथिक की ये कूटनीति है कि एकबार मरीज आ जाये तो जिंदगी में उसकी दवाई बंद नही होना चाहिए, एक भी दवाई साइड इफेक्ट के बिना नही बनाई। तलवार के नीचे आया व्यक्ति एक क्षण में मर जाता है लेकिन ब्याज की कलम के नीचे आना वाला व्यक्ति जिंदगी क्या पीढियां निकल जाती है। किसी से ली हुई वस्तु को चुकाने के भाव तुम जितनी बार करोगे उतनी हर बार तुम्हारी दरिद्रता कम होगी और समृद्धि की तरफ बढ़ोगे। चौबीस घण्टे ऋण चुकाने की जरूर चिंता करना, बस एक ही टेंशन है मुझे ऋण चुकाना है, उस परिस्थिति में उसने मुझे ऋण दिया था, कैसे भी करके चुकाना है।

कथनी व करनी में नहीं रहे अंतर, धर्म से जुड़ने पर ही जीवन का कल्याणः दर्शनप्रभाजी म.सा.

सांसारिक बंधन मुक्त होने पर ही प्राप्त कर सकते प्रभु को- चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । हम ईश्वर को प्राप्त करना चाहते है तो सांसारिक बंधनों से मुक्त होना होगा। बंधन हमारे में मोह एवं राग उत्पन्न करते है। जितना जल्दी बंधन मुक्त होंगे उतना स्वयं को हल्का महसूस करेंगे ओर परमात्मा से जुड़ाव गहरा होगा। मरूधर केसरीजी के गुरूदेव महाश्रमण वचनसिद्ध श्री बुधमलजी म.सा. का जीवन श्रावकों के लिए प्रेरणादायी है। उनके जीवन से गुणों को अपना हम अपना कल्याण कर सकते है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में गुरूवार को श्री अरिहन्त विकास समिति के तत्वावधान में अष्ट दिवसीय गुरू द्वय पावन जन्मोत्सव के समापन दिवस पर महाश्रमण वचनसिद्ध श्री बुधमलजी म.सा. की जयंति गुणानुवाद समारोह में मरूधरा मणि महासाध्वी श्री जैनमति जी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. के सानिध्य में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने व्यक्त किए। उन्होंने खुशी जताई

कि यहां बुधमलजी म.सा. की जयंति के साथ आठ दिवसीय गुरू द्वय पावन जन्मोत्सव का समापन एवं तपस्या का त्रिवेणी संगम हो रहा है। धर्मसभा में मधुर व्याखयानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि श्रावक का कल्याण धर्म से जुड़ने पर ही हो सकता है। आप संतों से भले न जुड़े पर धर्म से जुड़ जाए तो जीवन सार्थक हो जाएगा। हमारी कथनी व करनी में अंतर होने से साधना का फल भी नहीं मिलता है। महाश्रमण वचनसिद्ध श्री बुधमलजी म.सा. जैसे महापुरूषों का जीवन धन्य है जिन्होंने जिनशासन की समर्पित भाव से सेवा की ओर जिनके कारण मरूधर केसरी जैसे संतरत्न समाज को प्राप्त हुए। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि अष्ट दिवसीय गुरू द्वय पावन जन्मोत्सव का जप-तप-भक्ति के साथ भव्य समापन हो रहा है। इसके लिए आयोजक श्री अरिहन्त विकास समिति साधुवाद की पात्र है। संघ भले संख्या में छोटा है पर भावनाएं प्रबल होने से इतना सफल आयोजन हो पाया। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि श्रावक व्रत स्वीकार करने पर ही हम जिनशासन के सच्चे श्रावक हो सकते है। जब तक श्रावक व्रत स्वीकार नहीं करेंगे हमारा श्रावक कहलाना सार्थक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि रूप रजत विहार में 100 से अधिक श्रावकों द्वारा श्रावक व्रत स्वीकार करना अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी है। धर्मसभा में तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भी विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.का भी सानिध्य रहा। धर्मसभा के शुरू में पंच तीर्थंकर का जाप तत्वचिंतिका समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने सम्पन्न कराया। धर्मसभा में जैन कॉन्फ्रेंस व्ययावच्च योजना के प्रान्तीय अध्यक्ष मुकेश डांगी ने भी विचार व्यक्त किए। धर्मसभा में जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा गोखरू, पूर्व सभापति मंजू पोखरना आदि भी मौजूद थे।

रक्षाबंधन पर्व बड़ी हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। जिले के कुदन गांव में भाई बहन के प्यार का पर्व रक्षाबंधन हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। बुधवार को 70 प्रतिशत लोगों ने मनाया था रक्षाबंधन। बुधवार को सुबह से भद्रा होने के कारण जो शाम तक रही इसलिए गुरुवार को भी रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। बहनों ने अपने भाईयों के कलाईयों पर राखी बांधी तथा लम्बी उम्र की कामना की भाईयो ने अपनी बहनों को उपहार स्वरूप गिफ्ट दिये । मिठाई व राखी की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई।

सखी गुलाबी नगरी
Happy Birthday
1 सितम्बर '23

श्रीमती निशा-आशीष पाटनी
सारिका जैन
अध्यक्ष
स्वाति जैन
सचिव
समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

मासिक जिनेन्द्र पूजन-विधान एवं यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन महानगर जयपुर एवं आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अगस्त माह की जिनेन्द्र पूजन-विधान कार्यक्रम श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पाटनीयान, सांगानेर में सानन्द सम्पन्न हुआ। सबसे पहले प्रातःकाल सांगानेर के सभी प्राचीन जिन मन्दिरों की सामूहिक वन्दना कैलाशचन्द मलैया, अनिलकुमार सोजना के कुशल नेतृत्व में की गई। संघीजी के मन्दिर में नाश्ते की शुद्ध व्यवस्था की गई। तत्पश्चात पाटनीयान जिन मन्दिर में विधानाचार्य पण्डित जिनकुमार शास्त्री, अनेकान्त शास्त्री , रिमांशु शास्त्री, आयुष शास्त्री के द्वारा श्री पार्श्वनाथ मंडल विधान करवाया गया। पण्डित अरुणकुमार बंड व्याकरणाचार्य के द्वारा विधान के मर्म को समझाया गया। विधान के बीच में प्रश्नोत्तर किये गये एवं इनाम दिया गया।विधान के पश्चात डॉ. नरेन्द्रकुमार जैन मानसरोवर वालों का श्री मोक्षमार्ग प्रकाशक पर मार्मिक एवं हृदयग्राही आध्यात्मिक प्रवचन हुआ। विनयचन्द

पापडीवाल ने सांगानेर विद्वत परम्परा में अध्यात्म और तेरह पंथ आम्नाय के विकास पर

प्रकाश डाला। डॉ. अरविन्द कुमार जैन ने आयोजन के तीन प्रयोजन पर चर्चा की 1.तेरह पंथी आम्नाय के एवं टोडरमलजी की आम्नाय के पाटनीयान एवं गोदिकान मन्दिर में तात्विक गतिविधियों का संचालन। 2. सांगानेर, फागी, चाकसू, आमेर के आध्यात्मिक विद्वानों का योगदान प्रकाश में लाना। 3. पण्डित टोडरमलजी के पैतृक निवास की खोजकर टोडरमल संग्रहालय के रूप में विकसित करना। कार्यक्रम संयोजक नवीन शास्त्री ने आगन्तुक विद्वानों एवं अतिथियों का तिलक, माला एवं दुपट्टे से स्वागत करवाया। एवं आचार्य कुन्दकुन्द नैतिक शिक्षा समिति के द्वारा आयोजित दशलक्षण प्रश्नोत्तरी योजना को विस्तार से बताया गया।इसके पुरस्कार योजना में एक लाख रुपये के वचन प्राप्त हुए। इसी समय गोदिकान मन्दिर में लगभग 30-35 बच्चों की पाठशाला का श्रीमति स्तुति जैन एवं श्रीमति चारु जैन संचालन किया। कार्यक्रम में विद्वानों में पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल, पण्डित राकेश जैन दिल्ली, प्रो. गजेन्द्र जैन, पण्डित रमेशचंद्र लवाण, पण्डित पीयूष जैन शास्त्री, विदुषी श्रीमती श्रुति जैन शास्त्री आदि अनेक शास्त्री , मंगलार्थी, आत्मार्थी, शाश्वत विद्वान एवं विदुषी उपस्थित थे। दिगम्बर जैन महासमिति से अनिलकुमार जैन राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष रमेशकुमार जैन कोषाध्यक्ष, कैलाशचन्द मलैया अध्यक्ष सांगानेर संभाग, प्रेमचंद बडजात्या चोमूबाग मार्गदर्शक, महावीरकुमार बडजात्या चोमूबाग, बाबूलाल वोहरा अध्यक्ष सांगानेर इकाई आदि उपस्थित थे। तेरहपंथी पंचायत मंदिर कमेटी से अभयकुमार लुहाड़िया, विनयचन्द पापडीवाल, सुरेन्द्रकुमार बज , राजेश पापडीवाल उपस्थित थे। राजस्थान साहित्य परिषद् के अध्यक्ष प्रतिष्ठाचार्य डॉ. विमलकुमार जैन, जैन विश्व संगठन राजस्थान के महामंत्री एवं स्थानीय मन्दिर के संयोजक आशीष पाटनी, सुधीर जैन का विशेष सहयोग रहा। तत्पश्चात वात्सल्य भोज किया गया।

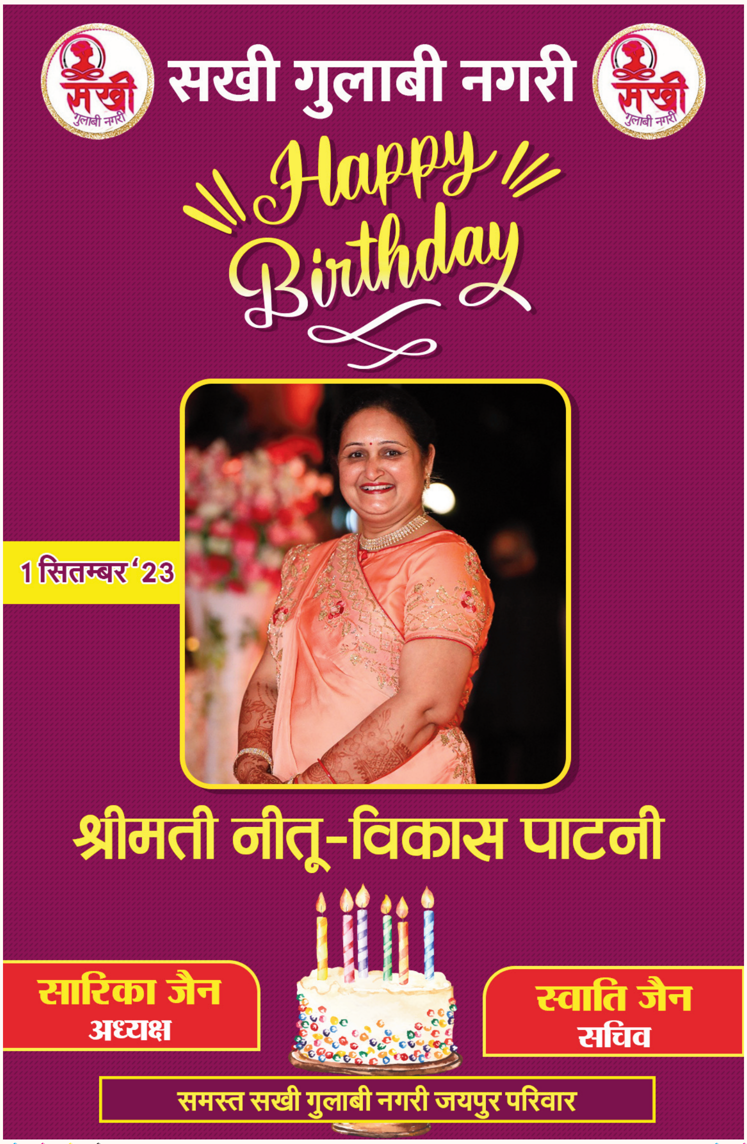

आत्मा तप से श्रेष्ठ बनती है, धन से नहीं : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत.शाबाश इंडिया।

चैन्नाई। आत्मा तप से श्रेष्ठ बनती है, धन से नहीं। गुरूवार साहूकार पेठ श्री एस.एस. जैन भवन मे महासती धर्मप्रभा ने गुरूद्धय जन्म जयंती कार्यक्रम के तहत पांचवे दिवस एकासन व्रत करने वालें भाई बहनों और श्रध्दांलूओ को तप का महत्व बताते हुए धर्मसभा मे कहा कि तपस्या छोटी बड़ी नहीं होती है, तप -तप ही होता है। अपनी आत्मा को श्रेष्ठ बनाना है,तो तप से ही श्रेष्ठ बन सकती है,धन से नहीं बनने वाली है। समभावो के साथ तप और जीवों की जो प्रांणी रक्षा और सुरक्षा करता है वो जीवन मे सुख तो प्राप्त करता ही है,साथ ही लब्दिया और सिध्दीया को प्राप्त करके अपनी इस आत्मा को पावन बना सकता है ।हटी घमंडी धन वान मित्यार्थी और पद लुप्ता का अंहकार करने वाला इंसान तपस्वीयो को सताता है और उपहास उड़ाता है। ऐसा मनुष्य जीवन मे कितना भी धन प्राप्त कर लेवें वह सुख नही भोग सकता है,और नाहि मरने बाद अपनी इस आत्मा को मुक्ति दिला सकता है। आत्मा का उध्दार तभी हो सकता है जब मनुष्य अपने घमंड और अंहकार का त्याग और प्रश्चाताप करके समभाव के साथ जीवो की रक्षा करता है तो अपनी इस आत्मा को मुक्ति दिलवा पाएगा। धन दौलत इंसान कितना भी कमाले लेकिन अपने साथ एक रूपया भी नहीं ले जा सकता है ।साथ जाऐगा तो सिर्फ धर्म और पुण्य ही जाने वाला है। धन दौलत साथ मे जाने वाली नहीं है ।साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि शरीर कुंदन तभी बन सकता है जब मनुष्य संभाव के साथ तपस्या करता है तो अपनी इस काया को कुंदन और पवित्र बना सकता है ।श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने बताया कि इस दौरान धर्मसभा मे गुरू भगवंतो के जन्मोत्सव कार्यक्रम के पांचवें दिवस अनेक भाई और बहनों ने एकासन व्रत एवं तपस्वी बहन निशा संकलेचा ने ग्यारह उपवास के साध्वी धर्मप्रभा से प्रत्याख्यान लिए। जिनका एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम. अजितराज कोठारी,हस्तीमल खटोड़ महामंत्री सज्जनराज सुराणा,सुरेश डूगरवाल,जितेन्द्र भंडारी सुभाष काकलिया, बादलचन्द कोठारी महावीर कोठारी माणकचन्द खाबिया आदि सभी पदाधिकारियों और श्री एस.एस.जैन संस्कार महिला शाखा की बहनो ने एकासन व्रत करने वालो के तप की सामूहिक रूप से अनूमोदना की गई। तथा तपस्वी बहन एवं एकासन व्रत कार्यक्रम के लाभार्थी महावीरचन्द, राजेन्द्र कुमार, अनिल दरडा आदि सभी का श्री संघ के पदाधिकारियों ने शोल माला एवं मोमेंट देकर बहूमान किया गया।इस दौरान चैन्नाई के अनेक उपनगरों और श्रध्दांलूओ के साथ शहर के प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट सिद्धार्थ मेहता की उपस्थिति रही।

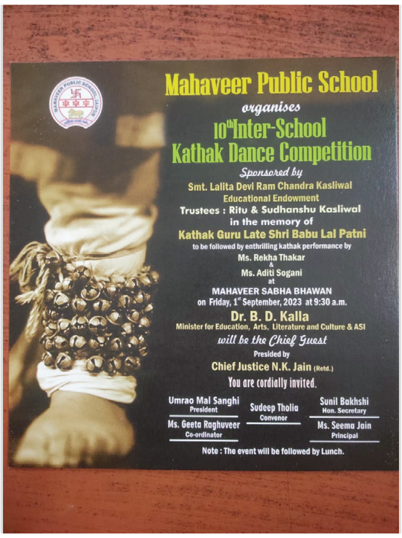

महावीर पब्लिक स्कूल में दसवीं अंतर्विद्यालयी कत्थक नृत्य-प्रतियोगिता का 1 सितंबर को होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 1सितंबर शुक्रवार को प्रातः 9:30 बजे महावीर सभा भवन में दसवीं अंतर्विद्यालयी कत्थक-नृत्य- प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मानद मंत्री सुनील बक्सी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा, कला, साहित्य, संस्कृति एवं ए.एस.आई. मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधिपति एन.के.जैन करेंगे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में रक्षाबंधन का पर्व मनाया

रावतसर. शाबाश इंडिया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र में रक्षाबंधन का पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी नीलिमा व अनिता बहन ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक अर्थ बताया राखी स्नेह पवित्रता दृढ़ता विजय का धागा है रक्षा केवल शरीर की नहीं बल्कि आत्मा की बुराई से रक्षा करती है पवित्र राखी रक्षाबंधन को विश तोड़क तथा पुण्य प्रदायक परव कहा जाता है राखी विकारों को खत्म करती हैं और हमारे से पुण्य का कर्तव्य कराती हैं हम सभी का सच्चा रक्षक एक परमपिता परमात्मा ही है जो हमारी शरीर और आत्मा दोनों की ही रक्षा करता है।इस शुभ अवसर पर डॉक्टर कपिल, महेंद्र मीणा, रंगलालजी बिश्नोई, जयचंद धनारिया, दयाराम चबरवाल आदि ने बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाये ।उसके बाद पुलिस थाने में पुलिस स्टाफ को रक्षा सूत्र बाधे सबसे कोई ना कोई बुराई छोड़ने का संकल्प करवाया कार्यक्रम में सैकड़ो भाई बहनों ने भाग लिया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com